भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3191
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तनों का विकास

3191. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार वर्ष 2047 तक 350 से अधिक विमानपत्तनों को विकसित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नागर विमानन क्षेत्र में वर्ष 2030 से पहले लगभग 500 मिलियन यात्रियों और वर्ष 2047 तक 1 बिलियन यात्रियों तक संख्या बढ़ने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई यातायात के लिए विदेशी केन्द्रों पर निर्भरता को कम करना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): विकसित भारत 2047 के उद्देश्यों के अनुसरण में, ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति के तहत ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के माध्यम से हवाईअड्डे का विकास और विस्तार, क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-यूडीएएन के तहत असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा मौजूदा हवाईअड्डों का उन्नयन और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के माध्यम से निजी निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में, 25 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है, जिनमें से 14 को कार्यशील कर दिया गया है, जबकि 6 प्रस्तावों को साइट मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा, आरसीएस-उड़ान के तहत 95 एयरोड्रम कार्यशील किए गए हैं। उड़ान योजना के अगले चरण में अगले दस वर्षों में 120 नए गंतव्यों के लिए संपर्क और 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

(ख): वर्ष 2046-47 तक समग्र रूप से सभी भारतीय हवाईअड्डों द्वारा 3000 मिलियन से ज़्यादा यात्रियों को हैंडल किए जाने की उम्मीद है ।

(ग): देश में विमानन हबों के विकास के लिए, नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने अंतरराष्ट्रीय विमानन हब रणनीति तैयार की है। इस रणनीति के हिस्से के रूप में, दिनांक 25.06.2026 को हब एंड स्पोक परिचालन शुरू किए गए हैं।

******